5

पोस्टर निर्माण

पोस्टर सूचना देनेवाला एक कागज है, जो दीवार या सतह पर लगाया जाता है। पोस्टर से आशय है ध्यान आकर्षित करने वाला। पोस्टर का उपयोग बहुत से उद्देश्यों के लिए किया जाता है। पोस्टर विज्ञापनदाताओं का नियमित साधन है। प्रचारक, प्रदर्शनकारी तथा अन्य समूह भी यह प्रयत्न करते हैं कि जनता के साथ संवाद किया जा सके। सन् 1880 में यह तकनीक समस्त यूरोप में फैल चुकी थी। इस काल में कुछ गिने चुने कलाकार ही पोस्टर का निर्माण करते थे। इनमें सर्वश्रेष्ठ थे, हैनरी-द-टालस-लाउट्रेसी और ज्यूल्स चिरेट इन्हें प्रयोग तख्तियों के विज्ञापन का जनक माना गया। यह पेंसिल चित्रकार थे तथा दृश्य सजाने वाले भी जिन्होंने 1886 में पेरिस में एक छोटा सा अमश्मुद्रण (लिथोग्राफी) कार्यालय स्थापित किया। चिरेट ने एक नई तकनीक विकसित की। जो विज्ञापनदाताओं की आवश्यकताओं के अधिक अनुकूल थी। इन्होंने और रंगों को जोड़ा जिससे संयोजन के साथ मुद्रण-कला को प्रस्तुत करने से पोस्टर और भी अधिक प्रभावी हो गए।

पोस्टर जल्द ही पेरिस की सड़क से कला भवन में स्थापित हो गए। उनकी वाणिज्यिक सफलता से कुछ कलाकारों की बड़ी माँग हुई। सन् 1884 में पेरिस में एक बहुत बड़ी प्रदर्शनी आयोजित हुई।

सन् 1890 में पोस्टर कला का आयोजन बड़े पैमाने पर यूरोप के कुछ अन्य भागों में हुआ। विज्ञापन में सब कुछ होता था- साइकिल से लेकर सांड़ युद्ध तक। 19वीं सदी के अंत के दौरान यह युग बैले यूरोप युग नाम से जाना जाने लगा। 1895 तथा 1900 में पोस्टर कला बहुत ही गंभीर कला के रूप में निखर कर आई। चिरेट ने The maiter de L'affiche (पोस्टर बनाने में प्रवीण) की श्रृंखला बनाई। इसे न केवल व्यावसायिक सफलता मिली बल्कि यह अब एक प्रमुख ऐतिहासिक प्रकाशन के रूप में भी देखा जाता है। एफोंसे मुचा तथा यूगेनी ग्रेसेट भी इस युग के प्रभावशाली पोस्टर बनानेवाले थे।

भारत में राष्ट्रीय आंदोलन (विद्रोह) के दौरान चित्रों का उपयोग पोस्टर के रूप में हुआ था। भारतीय लोगों में उनकी सांस्कृतिक विरासत की जागरुकता को बनाए रखने के लिए कलाकारों का पुनर्जागरणवादी समूह बनाया गया। जैसे: अबनीन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, विनोद बिहारी मुखर्जी इत्यादि कलाकारों का मुख्य योगदान रहा है। उदाहरणार्थ, नंदलाल बोस ने कुछ चित्र बनाए जिनका

उपयोग हरीपुरा कांग्रेस (महासम्मेलन) सत्र के पोस्टर के लिए किया गया। पोस्टर कर उपयोग हिंदी फिल्मी जगत में फिल्मों को लोकप्रिय बनाने के लिए भी किया गया। बड़े पोस्टर उल्लेखनीय चित्रकार एम.एफ हुसैन बनाते थे।

उद्देश्य

इस पाठ के अभ्यास के पश्चात् आप :

- पोस्टर की रूपरेखा बनाने के लिए नवीन रचनात्मक अवधारणाएँ प्रस्तुत कर सकेंगे;
- विचार अथवा अवधारणा को ग्राफिक के रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे;
- रूपों तथा शब्दों से दिए गए स्थान को डिजाइन कर सकेंगे;
- एक बहुत ही आकर्षित रंगों का संयोजन तथा उचित केलीग्राफी कर सकेंगे;
- सुलेख/कैलीग्राफी के माध्यम से विचारों तथा संकल्पनाओं का संप्रेषण कर सकेंगे।

5.1 उपयोग हेतु आवश्यक सामग्री

1. चित्रकारी बोर्ड तथा पिन।
2. चित्रकारी हेतु कागज़ (कार्ट्रिज, खड़िया, चार्ट)
3. पेंसिल - एच.बी., 2बी., 4बी.
4. रबर
5. पोस्टर रंग
6. तूलिका (दो समतल तथा गोलाकार भिन्न मोटाई की)
7. पैमाना
8. मार्कर।

5.2 पोस्टर निर्माण कैसे करते हैं

रंग, डिजाइन, अक्षर और आकार को कागज पर उतार कर संदेश को संप्रेषित करने, संकल्पनाओं को विज्ञापित करने तथा जनता की किसी समस्या को संवेदनशील बनाने में पोस्टर एक आकर्षक रूप है।

हम अपने जीवन में बहुत से पोस्टर देखते हैं। जैसे- बस स्टॉप, माल, बाजार, स्टेशनों, सड़क के किनारे, दीवारों पर, प्रकाश स्तम्भ सार्वजनिक स्थानों पर देखे जा सकते हैं। पोस्टर का लक्ष्य ही जनता का ध्यान आकर्षित करना है। जो भी हम संप्रेषित करना चाहते हैं, उसका प्रभाव पड़ता है। पोस्टर के कुछ निम्नलिखित गुण हैं :

- रचनात्मक अवधारणा
- चटक रंग तथा रंगों का प्रतीकात्मक उपयोग
- आकर्षक शीर्षक
- जहाँ आवश्यक हो तुकबन्दी पूर्ण उप शीर्षक
- स्पष्ट आकार
- आकर्षक रूपरेखा।

पोस्टर निर्माण से भारत में ऐसी बहुत सी समस्याओं का हल निकल रहा है। जिनसे देश जूझ रहा है। रंगीन तथा नए ढंग के पोस्टर महत्वपूर्ण कारणों को दर्शाते हैं। ये पोस्टर समकालीन समस्त मुद्दों पर युवा तथा परिपक्व मस्तिष्क के लिए एक अनूठा और शक्तिशाली परिप्रेक्ष्य प्रस्तावित करते हैं।

सही जानकारी और आकर्षक रूपरेखा के माध्यम से पोस्टर प्रभाव को बनाए रखने में सहायक होते हैं। इस प्रकार समाज के विकास में योगदान देते हैं तथा बेहतर तरीके से संकट से निपटने के लिए सक्रिय जनजागरण अभियान में भी योगदान देते हैं।

5.3 पोस्टर निर्माण हेतु उपयोग किए जानेवाले महत्वपूर्ण तत्व

पोस्टर निर्माण में कला तथा साहित्य के समान सूक्ष्मदर्शिता की आवश्यकता है, क्योंकि जब आप इसकी रूपरेखा बनाएंगे तो इसके साथ उपयुक्त शीर्षक तथा उप शीर्षक भी देंगे जो और भी मनोरंजक, मोहित करने वाले हों तथा प्रत्यक्ष हों। पोस्टर में रंग न बहुत अधिक चटकीले हो न बहुत अधिक हल्के हों। संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण कसौटी है। इनके बीच में संतुलन होनी चाहिए:

- रंग तथा रूपरेखा
- रूप तथा अक्षर (सुलेखन)
- शीर्षक/उप शीर्षक
- आवृत स्थान तथा निष्क्रिय स्थान

इस पाठ के अंतर्गत मनुष्य जीवन से संबंधित कुछ आम महत्वपूर्ण विषय दिखाएँ जाएँगे जिससे शिक्षार्थी सीख सकेंगे :

- वैचारिकता
- देखना
- पुनः प्रस्तुत करना
- चित्रित करना
- रंग
- अक्षर तथा पोस्टर हेतु सुलेख

5.3.1 एक पोस्टर का नक्शा तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण बिंदु :

- सबसे पहले हमारे चारों ओर विचार प्रक्रिया घूमती है।
- इस विषय के बारे में हम समस्त प्रासंगिक जानकारी एकत्रित करते हैं।
- सभी स्रोतों से जानकारी एकत्रित करना।
- हमारे पास पर्याप्त जानकारी हो जाने के पश्चात, हमें उन विषयों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो इस विषय हेतु अधिक लोकप्रिय हैं।
- इन तथ्यों को रूप, रंग तथा शब्दों के साथ व्यक्त करना हमारा अगला कदम होगा।
- उन रूपों का चयन करें जो इस शीर्षक के लिए उपयुक्त हों।
- इस विषय के दो अथवा तीन लेआउट निर्माण के लिए आपको इस प्रक्रिया की आवश्यकता होगी।
- शीर्षक के लिए भिन्न-भिन्न रंगों के मेल में इस रूपों का प्रयोग करें।
- उचित रूपरेखा चुनने के पश्चात् आकृति के अनुरूप चित्रकारी करना शुरू करें।
- रंग भरें।
- विभिन्न रंगों के मेल के साथ ऐसा ही नक्शा बनायें।
- सबसे अच्छा चुनकर पोस्टर का निर्माण करें।
- न तो लिखावट को रूपरेखा पर भारी पड़ना चाहिए और न ही रूपरेखा को लिखावट।

अभ्यास 1

वन्य जीवों की सुरक्षा

आपको समझाने के लिए इस पोस्टर के निर्माण की प्रक्रिया क्रमशः समझाई गई है।

सबसे महत्वपूर्ण विचार यह है कि आम आदमी का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाये कि वन्य जीव किस प्रकार से शिकारियों द्वारा दी जाने वाली तकलीफों का सामना कर रहे हैं। इसलिए इस नक्शे में मृत पशु की रूपरेखा बनाने हेतु अधिकतम स्थान दिया जाएगा।

पृष्ठभूमि के लिए कम ही स्थान चाहिए, जिससे कि उसमें सपाट गहरा हरा रंग भरा जा सके (जंगल के प्रतीक हेतु)। सीमांत पर छोटे पेड़ बनाये जाएँगे जो प्रकृति तथा जंगल का प्रतीक होंगे। सीमांत के आधार को लाल रखा गया है जो रक्त या हत्या का प्रतीक बनेगा। वृक्षों को नीला बनाया गया है, फर्क दिखाने के लिए और अभिरुचि हेतु। शीर्षक 'वन्य जीवों को मारना बंद करो' तथा 'शिकारियों से सुरक्षा करो', ये भी नीले रंग से बनाया जाएगा - संतुलन बनाने के लिए। हाथी को हल्के रंग से बनाया जाएगा, गहरे पृष्ठभूमि के साथ फर्क दिखाने के लिए।

वन्य जीवों की सुरक्षा हेतु पोस्टर निर्माण विधि

प्रथम चरण

एक आयताकार डिब्बा बनाएं। डिब्बे में हाथी बनाएँ (चित्र 5.1 देखें)।

द्वितीय चरण

एक बंदूक बनायें (शीर्षक तथा उपशीर्षक के लिए स्थान छोड़ें) (चित्र 5.1(क) देखें)।

तृतीय चरण

रंग करना शुरू करें (चित्र 5.1(ख) देखें)। पशु की पृष्ठभूमि में पीला रंग करें। दूसरे स्थान में भी रंग भरें जब पहला रंग सूख जाए तो हाथी में भूरा (ग्रे) रंग भरें और बंदूक में बादामी (ब्राउन) रंग भरें तथा शीर्षक लिखें।

चौथा चरण

आपका पोस्टर तैयार है। (चित्र 5.1(ग) देखें)।

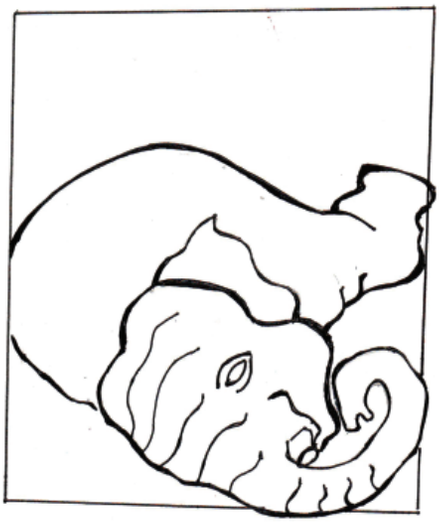

चित्र 5.1

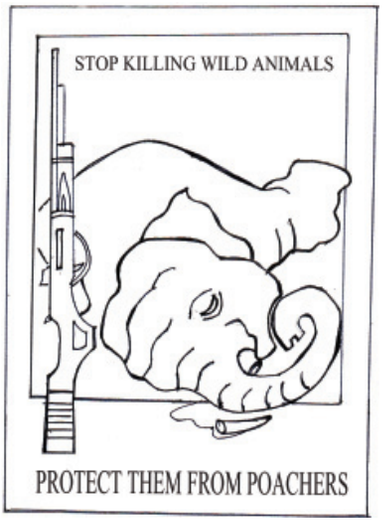

चित्र 5.1(क)

चित्र 5.1(ख)

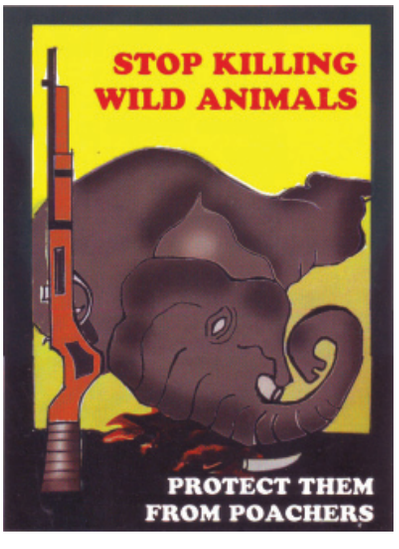

चित्र 5.1(ग)

अभ्यास 2

वनों की कटाई

पेड़ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यदि पेड़ नहीं होंगे तो जीवन भी नहीं होगा, बावजूद इसके हम अपने स्वार्थपूर्ण लोभ के लिए पेड़ों और जंगलों को काट देते हैं। प्रकृति इसलिए पूर्ण लगती है कि यहाँ जीवनदायी पेड़ हैं। यदि हम पेड़ों की कटाई करते हैं तो हमारा जीवन भी अल्पकालिक होगा। इसमें कोई दो राय नहीं है।

यहाँ पेड़ एक बच्चे के रूप में चित्रित है, जिसे धरती माँ से अलग नहीं किया जा सकता। फल और चिड़ियों के घोसलों के रूप में पेड़ को दाता और जीवन आधार दिखाया गया है। लोगों से बार-बार यह कहने की बजाय कि पेड़ को मत काटो; पेड़ और धरती को माँ और बच्चे के प्यार के रूप में दिखाया गया है और शीर्षक दिया गया है। 'इन दोनों को हम अलग कैसे कर सकते हैं'? तैल रंगों और मार्कर का उपयोग किया गया है। (देखें चित्र 5.2)

वनों की कटाई हेतु पोस्टर निर्माणा विधि

प्रथम चरण

कागज पर एक पेड़ बनाएँ। बड़े पेड़ पर एक ग्लोब बनाएँ और पेड़ पर चिड़िया बनाएँ।

चित्र 5.2

द्वितीय चरण

लिखावट की जगह छोड़कर रंग भरे। पीले या गुलाबी जैसे हल्के रंगों से शुरूआत करें, बाह्य रेखा काले या गहरे रंगों से रंगें। अब आपका पोस्टर तैयार है। (चित्र 5.2क देखें)।

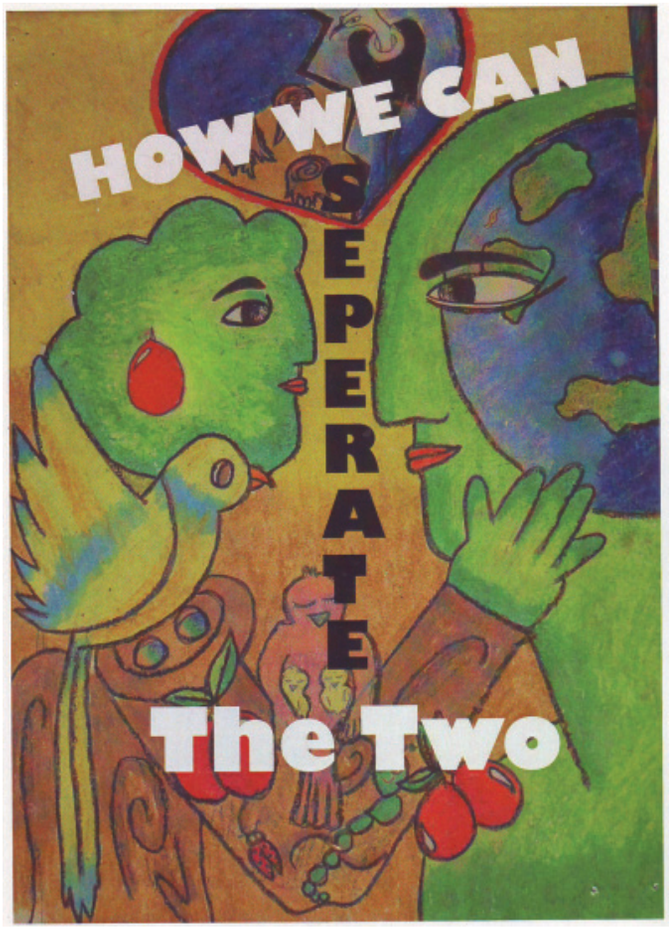

चित्र 5.2(क)

अभ्यास 3

सड़क सुरक्षा पोस्टर निर्माण विधि

सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए सड़क सुरक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण कारक है।

यदि हम कुछ मूल सड़क सुरक्षा के उपायों जैसे: हेलमेट पहनना, सुरक्षा पेटी पहनना, ट्रैफिक नियमों का पालन करना, अपनी गति पर नियंत्रण रखना आदि नियमों को मन में बिठा लें तो बहुत सी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

यह पोस्टर इस संकल्पना को दिमाग में रखते हुए विकसित किया गया है कि सड़क दुर्घटनाएं दुपहिया चालकों द्वारा हेलमेट न पहनने ओर बहुत तेज गति से वाहन चलाने से होती है। एक

युवा ईयर फोन पहन कर अपनी बाईक की गति दिखा रहा है, और इसके पीछे कुल्हाड़ी लिए एक कंकाल के रूप में मृत्यु को दिखाया गया है। अर्थ-संप्रेषण के अनुरूप शीर्षक और उपशीर्षक की लिखावट के लिए भिन्न आकार के अक्षरों का उपयोग हुआ है।

पोस्टर निर्माण की क्रमिक विधि

प्रथम चरण

मोटरसाइकिल चलाते हुए एक आदमी बनायें (फोटोग्राफ से भी संदर्भ ले सकते हैं अथवा चित्र बनाने में कठिन है, तो चित्र ट्रेस भी कर सकते हैं।

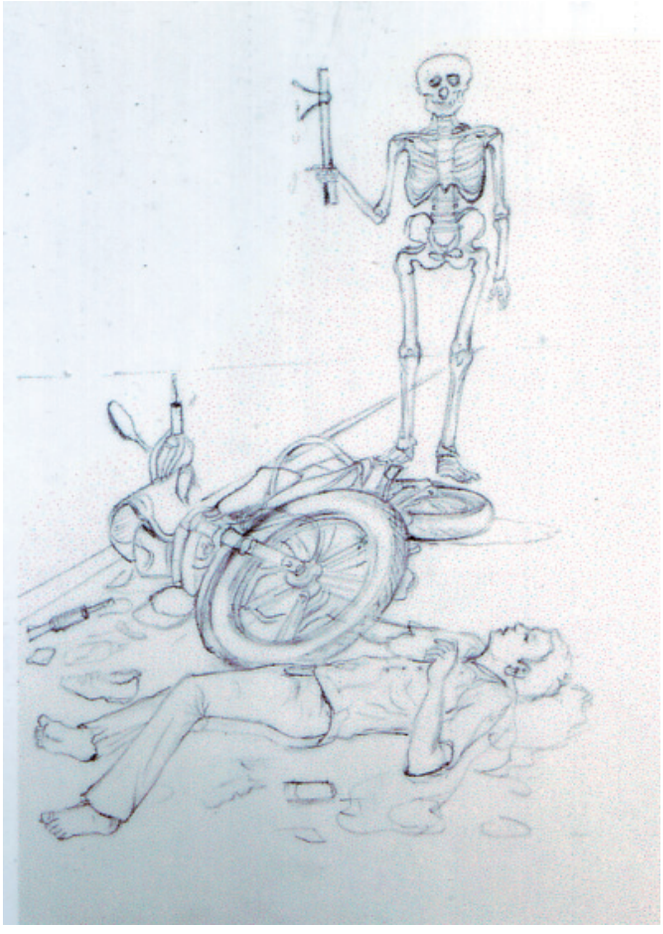

चित्र 5.3

द्वितीय चरण

पोस्टर के निचले भाग में पीला रंग भरें तथा ऊपरी भाग पर लाल रंग भरें। दोनों रंगों को बीच में मिला दें जैसा कि पोस्टर में दिखाया गया है।

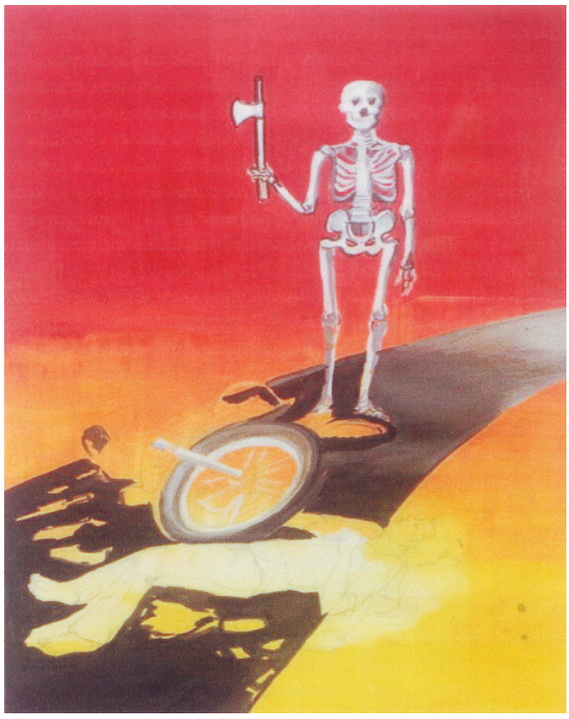

चित्र 5.3(क)

तृतीय चरण

मोटरसाइकिल तथा चालक में रंग भरें। हल्का रंग (शेड) करें तथा सफेद रंग से हाइलाइट करें। कंकाल बनाएँ तथा इसमें भूरे और सफेद रंग भरें। सड़क में काला रंग भरें।

चित्र 5.3(ख)

चौथा चरण

रूपरेखा को ध्यान में रखते हुए चुना हुआ शीर्षक लिखें। लिखाई स्पष्ट हो और अर्थ संप्रेषित करें। इस बात का ध्यान रखें कि लिखाई के लिए जगह छोड़नी है तदुनसार रूपरेखा बनानी है। आवश्यकतानुसार लिखावट रूपरेखा को आच्छादित कर सकते हैं। आपका पोस्टर तैयार है।

चित्र 5.3(ग)

कृपया ध्यान दें : आप चित्र को तभी खोज सकते हैं जब आवश्यक हो। एक मुक्तहस्त चित्रण हमेशा एक बेहतर विकल्प होता है।

आपने क्या सीखा

पोस्टर बनाना

- व्यावहारिक लागू कला का रूप
- प्रकृति का रचनात्मक और अनिवार्य एवं मजेदार रूप
- रूपों, फॉन्ट और रंगों के साथ अभ्यास
- प्रतीकात्मक
- आकर्षक
- कैप्शन बोल्ड, प्रतीकात्मक

पाठांत प्रश्न

1. एक ही रूपरेखा में रंग भरें। जब भी समय हो एक विषय पर आधारित रूपरेखा बनाएँ (विभिन्न रंगत में)। अपनी रूपरेखा में रंगों के प्रभाव को देखें।
2. पोस्टर बनाने की प्रक्रिया के कौन से तीन मुख्य लक्ष्य हैं?
3. एक आदर्श पोस्टर में कौन से छह (6) गुण होने चाहिए?
4. पोस्टर के लिए (रचनात्मक होना और ध्यान आकर्षित करना) इतना महत्वपूर्ण क्यों है?
5. पोस्टर बनाने की प्रक्रिया में संकल्पना इतना महत्वपूर्ण भाग क्यों है?
6. पोस्टर की रूपरेखा बनाने के काम में क्या संतुलन है?
7. पोस्टर में लिखने के दौरान आप कुर्सी डिजाइन के लिए कोई भी आकार तथा शीर्षक का प्रकार चुन सकते हैं। एक अच्छा तरीका यह भी है कि शब्दों को काटकर विभिन्न आकार में दूसरे कागज पर लगाएँ। इन शब्दों को व्यवस्थित रूप से दूसरे कागज पर लगाकर फिर रूपरेखा पर आकार के प्रभाव को देखें ।

शब्दकोश

रचनात्मक	आविष्कारशील तथा कल्पनाशील
प्रतीकात्मक	एक विचार जिसमें कुछ रेखांकन का प्रतिनिधित्व करते हैं।
स्पष्ट	इस पाठ की सामग्री में इसका मतलब है अक्षरों, रेखाओं या रंगों का गाढ़ा अथवा स्पष्ट प्रयोग।
फर्क	दो अलग-अलग रंग जो फर्क बनाते हैं।
यथार्थवादी	वास्तविक जीवन जैसा लगने वाली कला।